Regarding AIIMS in North Bengal

श्री राजू बिष्ट **(**दार्जिलिंग**) :** सर, नॉर्थ बंगाल में दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, अलीपुर द्वारा, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, उत्तर दिनाजपुर, साउथ दिनाजपुर और मालदा, इन आठ जिलों की जनसंख्या करीब आठ करोड़ है । डेवलमेंट की दृष्टि से और स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से, ये बहुत ही पिछड़े हुए क्षेत्र हैं । वहां ज्यादातर हमारी जनता चाय बगान पर काम करती है या कृषि से उनका जीवन चलता है । नॉर्थ बंगााल की स्थिति आर्थिक दृष्टि से भी बहुत अच्छी नहीं रही है । जहां तक प्राइवेट अस्पताल की बात करें, तो वहां पर हमारी जनता को जा कर अपना इलाज कराना संभव नहीं हो पाता है । जहां तक पश्चिम बंगाल की जो सरकारी अस्पताल हैं, उनकी सुविधा इतनी अच्छी नहीं है । वहां डॉक्टर्स और स्टाफ का अभाव रहता है । खास कर, नॉर्थ बंगाल में जो बेसिक इक्विप्मेंट्स उपलब्ध होने चाहिए, वे उपलब्ध नहीं हैं । ग्रामीण क्षेत्र के अस्पताल की स्थिति और भी ज्यादा खराब है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि नॉर्थ बंगाल के लिए, तीन करोड़ जनता के लिए एक एम्स की व्यवस्था की जाए ।